

मूल्यांकन योजना

Marking Scheme

कक्षा –11वीं

Class- 11<sup>th</sup>

विषय: ललित कला

कुल अंक :-30

Subject:- Fine Art

Total Marks:- 30

नोट:- 1. प्रश्न नं0 1 से 8 प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

Note:- 1 From question No. 1 to 8 each question carry 1 mark.

2. प्रश्न 9 से 14 तक कोई चार प्रश्न करो प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

2 . From question No. 9 to 14 each question carry 2 marks do any four.

3. प्रश्न न0 15 से 18 तक कोई तीन प्रश्न करो। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

3- From question No. 15 to 18 each question carry 3 marks. Do any three.

4. प्रश्न नं0 19 से 20 तक कोई एक प्रश्न को। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

4- From question No. 19 to 20 each question carry 5 maks. Do any one.

भाग (क)

Part (A)

सही विकल्प चुने:-

Choose Right question:-

प्र01	घ) छतीसगढ़	1 अंक
Q.1	D) Chatisgarh	1 Mark
प्र02	ख) प्रो0 वाकणकर	1 अंक
Q.2	B) Pro. Vakankar	1 Mark
	सत्य/असत्य	

	True/False		
प्र03 Q.3	सत्य True	1 अंक 1 Mark	
प्र04 Q.4	सत्य True	1 अंक 1 Mark	
	रिक्त स्थान भरें Fill in the Blank		
प्र05 Q.5	दो Two	1 अंक 1 Mark	
प्र06 Q.6	निवास Residence	1 अंक 1 Mark	
	दावा और कारण Assertion and Reason		
प्र07 Q.7	(ग) दावा व कारण दोनों ठीक है। (C) Assertion and Reason both ar right.	1 अंक 1 Mark	
प्र08 Q.8	(ख) दावा व कारण दोनों ठीक है। (B) Assertion and Reason both ar right.	1 अंक 1 Mark	
भाग (ख) Part (B)			कुल अंक Total Mark
प्र09	चित्र का नाम : जादूगर का नृत्य माध्यम:- खनिज रंग पत्थर काल:- 2500 ई0 पू0 से 1500 ई0पू0 (पाषाण युग) स्थान:- भीमबेटका की गुफाएँ (मध्य प्रदेश)? सोजन्य:- राष्ट्रीय संग्राहलय नई, दिल्ली। विषय वस्तु:- भगवान को खुश करने के लिए धार्मिक नृत्य के रूप में दिखाया गया है।	1 अंक       1 अंक	2 अंक



	Not:- Apart from this, if any other contribution is mentioned then full marks should be given.		
प्र011	<p>अजंता के चित्रों की विशेषताएं</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भगवान बुद्ध का चित्रण</li> <li>2. भित्ति चित्रण, खनिज रंगों का प्रयोग</li> <li>3. रेखाचित्रण द्वारा विभिन्न मुद्राओं का अंकन</li> </ol> <p>नोट:- इसके अतिरिक्त अन्य कोई विशेषता का वर्णन किया है तो पूर्ण अंक दिए जाएं।</p>	1 अंक	
Q.11	<p>Features of Ajanta  Paintings :-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1) Illustration of lord  Buddha.</li> <li>2)   Wall painting and the use of Mineral Colour.</li> <li>3) Marking of various currencies by line drawing.</li> </ol> <p>Note:- Apart from this, if any other feature is mentioned then full marks should be given.</p>	1 अंक	2 अंक
प्र012	महेश मूर्ति को त्रिमूर्ति कहा जाता है।	1 अंक	



	<p>Mahadev Temple is the best temple constructed in  Khajuraho.</p> <p>Note:- Apart from this if any other contribution is mentioned then full marks should be given.</p>	1 Mark	
प्र014	<p>इण्डो इस्लामिक शैली की विशेषताएँ</p> <p>1. निर्माण कार्य में मेहराव, गुम्बद, संकरी व ऊँची मीनारों का प्रयोग</p> <p>2. इमारतों के निर्माण हेतु सामग्रियों में पत्थर कंकरीट एवं चूने का प्रयोग।</p> <p>नोट:- इसके अतिरिक्त अन्य कोई विशेषता लिखी गई है तो पूर्ण अंक दिए जाए।</p>	1 अंक	
Q.14	<p>Features of Indo Islamic Style:-</p> <p>1) Use of Arch, Dome, Narrow and high tower in the construction work.</p> <p>2) Use of stone, concrete and limestone in the construction of buildings.</p> <p>Note:- Apart from this, if any other contribution is mentioned then full marks should be given.</p>	1 अंक	2 अंक
भाग (ग) Part (C)			
प्र015	सिंधु घाटी की सभ्यता की विशेषताएं	1 अंक	

Q.15	<p>1. मीट्टी, पत्थर और धातु का प्रयोग होता था।</p> <p>2. विभिन्न प्रकार की सुन्दर चित्रकारी हुई है।</p> <p>3. इस काल के लोगों को ढलाई का ज्ञान था।</p> <p>नोट:- इसके अतिरिक्त अन्य कोई विशेषता बताई गई है तो पूर्ण अंक दिए जाए।</p> <p>The features of Indus valley civilization</p> <p>1) Clay, Metal and stone was used.</p> <p>2) Various types of beautiful paintings have been done.</p> <p>3) People of this period had knowledge of casting.</p> <p>Note:- Apart from this if any other feature is mentioned then full marks should be given.</p>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	<p>3 अंक</p> <p>3 Mark</p>
प्र016	<p>मारा विजय चित्र का कलात्मक वर्णन</p> <p>कलाकार—अज्ञात</p> <p>माध्यम—पत्थर</p> <p>काल— ईसा की पांचवी सदी</p> <p>संग्रह— अजन्ता की गुफा</p> <p>1. भगवान बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे समाधि अवस्था में बनाया गया।</p> <p>2. इस शिल्पकला में अनेक जीवों व मानव आकृतियों की गति व चंचलता को सुक्ष्मता से दर्शाया गया है</p> <p>3. यह अजन्ता की विशालतम और सबसे उत्कृष्ट मूर्ति है।</p>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p>	<p>3 अंक</p>

Q.16	<p>Artistic description of Mara Vijay Picture</p> <p>Artist – Unknown</p> <p>Medium – Stone</p> <p>Time – 5<sup>th</sup> Century of Jesus Christ</p> <p>Collection – Caves of Ajanta</p> <p>1. Lord Buddha is depicted in samadhi state under the Bodhi Tree.</p> <p>2. In this craft speed and fickleness about many creatures and human shapes is depicted minutely.</p> <p>3. This is the largest and most excellent statue of Ajanta.</p>	<p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	<p>3 Marks</p>
प्र017	<p>नटराज कांस्यमूर्ति कलात्मक सौंदर्य</p> <p>कलाकार-अज्ञात</p> <p>माध्यम-कांस्य धातु</p> <p>काल- चोल काल 12वीं सदी</p> <p>स्थान- तंजौर त मिलनाडु</p> <p>संग्रह- राष्ट्रीय संग्राहलय नई दिल्ली।</p> <p>1. भगवान शिव को अपने बाएं पैर पर संतुलन स्थापित किए हुए दिखाया गया है।</p> <p>2. चारों हाथों को विशेष मुद्रा में फैले हुए दिखाया गया है।</p> <p>3. केशों की लटे दोनों और दूर तक फैली है।</p> <p>नोट:- इसके अतिरिक्त अन्य कोई सौन्दर्य वर्णन किया गया है। तो उसके पूर्ण अंक दिए जाए।</p>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 Mark</p>	<p>3 अंक</p>
Q.17	<p>Nataraja Bronja Idol artistic Beauty</p>	<p>1Mark</p>	



	<p>Artist-Unknown</p> <p>Medium-  Bronze Metal</p> <p>Time- 12<sup>th</sup> century Chola Period</p> <p>Place- Tanjore Tamilnadu</p> <p>Collection- National Museum New Delhi.</p> <p>1- Lord shiva is shown balancing on his left foot</p> <p>2- The four hands are shown spread out in a special posture</p> <p>3- Fringe extends far and wide on both sides</p> <p>Note Apart from this, if any aesthetic description is mentioned then full marks should be given.</p>	<p>1 Mark</p> <p>1Mark</p>	<p>3. Marks</p>
<p>प्र018</p> <p>कुतुबमीनार का रचानात्मक वर्णन</p> <p>1. इस मीनार का परिमाण 13.75 मीटर है।</p> <p>2. आरम्भ में इसकी चार मंजिले थी बाद में एक मंजिल और जोड़ दी गई थी।</p> <p>3. पहली तीन मंजिल बलुआ पत्थर को तरासकर बनाई गई है।</p> <p>नोट+:- इसके अतिरिक्त अन्य कोई वर्णन किया गया है तो पूर्ण अंक दिए जाए।</p> <p>Q.18</p> <p>Creative description of Qutub Minar .</p> <p>1- The perimeter of this tower is 13..75 m.</p> <p>2- Initially it had four floors, later one more floor was added</p> <p>3- The first three floors are carved out of sands tone</p>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	<p>3 अंक</p> <p>3. Mark</p>	

	Note Apart from this if any of the description is mentioned, then full marks should be given.		
प्र019	<p>कंदरिया महादेव मंदिर कलाकार-अज्ञात माध्यम-शिला (पत्थर) काल-ईसा की दसवीं सदी स्थान-खजुराहो। विवरण-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>कंदरिया महादेव मंदिर खजुराहो में स्थित है। यह मंदिर चंदेल राजाओं ने बनवाया था।</li> <li>इस मंदिर की दीवारों पर आंतरिक व बाहरी दोनों ओर मूर्तियां बनाई गई हैं।</li> <li>इसमें नृत्य करती, वाद्य यंत्र बजाती, प्रेमरत युगलों, श्रृंगाररत स्त्रियों को उकेरा गया है।</li> <li>इनके परिधानों व आभूषणों को सूक्ष्मता से प्रदर्शित किया गया है।</li> <li>लक्ष्मीनारायण की प्रतिमा को भावपूर्ण उकेरित किया गया है।</li> </ol>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p>	5 अंक
Q.19	<p>Kandariya Mahadev Temple Artist-Unknown Medium-Rock (Stone) Time- 10<sup>th</sup> Century of Jesus Christ Place- Khajuraho Description:-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>Kandariya Mahadev Temple is Located in Khajuraho . This temple was constructed by Chandela Kings.</li> <li>The walls of this temple are decorated with sculptures on both sides.</li> <li>It has carvings of dancing women, women</li> </ol>	<p>1 Mark</p> <p>1 mark</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	5 Mark

	<p>playing musical instruments, loving couple and shringaara ras</p> <p>4- The dresses and ornaments are displayed delicately.</p> <p>5- The Idol of luxmi narayan is depicted emotionally.</p>		
प्र020	<p>भारतीय कांस्य प्रतिमाओं का स्वर्ण युग चोल काल को कहा जाता है।</p> <p>1. 9वीं से 13वीं शताब्दी के बीच का यह काल आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण है। चोल राजाओं की कांस्य मूर्तियों के निर्माण में रुचि थी।</p> <p>2. टसंख्य देवी देवताओंकी प्रतिमाओं को कांस्य धातु से निर्मित किया गया।</p> <p>3. मंदिरों के लिए मूर्तियां की आवश्यकता थी। इसलिए कांस्य प्रतिमाओं का सर्वाधिक निर्माण हुआ।</p> <p>4. उस काल में कांस्य मूर्तियों के उत्कृष्ट उदाहरण हैं जैसे— नटराज, देवी उमा की प्रतिमा</p> <p>5. चोल कलाकारों ने धातु मूर्तियों के निर्माण में एक विशिष्ट विद्या का प्रचलन किया।</p>	<p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p> <p>1 अंक</p>	5 अंक
Q.20	<p>The golden age of Indian bronze sculpture is called the chola period.</p> <p>1- This period between the ninth and thirteen century is very important from the economic and social point of view. The Chola kings were interested in making bronze sculptures.</p>	<p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	5 Mark

	<p>2- Uncountable statues of gods and goddesses were made of bronze metal.</p> <p>3- Status were required for temples. Hence bronze statues were mostly manufactured</p> <p>4- There are excellent examples of bronze sculptures from this period such as the statue of Nataraja and Devi Uma.</p> <p>5- The Chola artist practiced a specific skill in the making of metal sculpture.s</p>	<p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p> <p>1 Mark</p>	
--	---	---	--